विषय : बी.ए. प्रोग्राम सेमेस्टर 1

पेपर : हिंदी भाषा और साहित्य BAPMILHB01

This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

IC

Sr. No. of Question Paper : 6835

Unique Paper Code : 52051122

Name of the Paper : Hindi – B

Name of the Course : **B.Com. (Prog.) CBCS**

Semester : I

समय : 3 घंटे

पूर्णांक : 75

छात्रों के लिए निर्देश

इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

जिए।

किन्हीं **तीन** अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : (10 + 10 + 10 = 30)

(5×

(क) यह तन विष की बेलरी, गुरु अमृत की खान।
सीस दिए जो गुरु मिलें, तौ भी सस्ता जान।।

अथवा

पद कमल धोइ चढ़ाइ नाव न नाथ उतराई चहौं।
मोहि राम राउरि आन दसरथ सपथ सब साची कहौं।।

P.T.O.

बरु तीर मारहुँ लखनु पै जब लगि न पाय परवारिहौं।

तब लगि न तुलसीदास नाथ कृपाल पारु उतारिहौं।।

(ख) बतरस लालच लाल की मुरली धरी लुकाइ।

सौंह करैं भौंहनु हँसै, दैन कहैं नटि जाइ।।

अथवा

सजि चतुरंग-सैन अंग में उमंग धारि, सरजा सिवाजी जंग जीतन

भूषण भनत नाद-बिहद नगारन के, नदी नद मद गैबरन के रल

ऐल फैल खैल भैल खलक में गैल-गैल, गजन की ठैल पैल सैल

हैं।

तारा सो तरनि धूरि धारा में लगत जिमि, थारा पर पारा पाराबार यों

हैं।

(ग) सुधा-धार यह नीरस दिल की

मस्ती मगन तपस्वी की।

जीवन ज्योति नष्ट नयनों की

सच्ची लगन मनस्वी की।।

अथवा

काट अंध-उर के बंधन-स्तर
बहा जननि, ज्योतिर्मय निर्झर
कलुष-भेद-तम हर प्रकाश भर
जगमग जग कर दे!

किसी **एक** का साहित्यिक परिचय दीजिए : (10)

(क) कबीरदास

(ख) निराला

कबीर की कविता में वर्णित गुरु की महिमा को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

रामचरितमानस के 'केवट प्रसंग' के महत्त्व पर प्रकाश डालिए। (10)

बालिका का परिचय' कविता का मूलभाव स्पष्ट कीजिए।

अथवा

'वर दे, वीणावादिनी वर दे" कविता का सार लिखिए। (10)

म्नलिखित में से किन्हीं **तीन** पर टिप्पणी लिखिए : (5 + 5 + 5 = 15)

क) ब्रज भाषा;

(ख) हिंदी का विकास;

(ग) राम-काव्य की विशेषताएँ;

(घ) भारतेन्दु युग की सामान्य प्रवृत्तियाँ;

(ङ) छायावाद;

(च) आदिकाल की प्रवृत्तियाँ।